

## ॥ रुद्रपदपाठः ॥

ॐ। ग॒णाना॑म्। त्वा। ग॒णप॑तिमि॒ति ग॒ण-प॑तिम्। ह॒वाम॑हे।  
 क॒विम्। क॒वीना॑म्। उ॒पम॑श्र॒वस्तम॑मित्यु॒पम॑श्र॒वः-त॑मम्॥  
 ज्येष्ठ॑राजमि॒ति ज्येष्ठ॑-राजम्। ब्रह्म॑णाम्। ब्रह्म॑णः। प॒ते।  
 ए॒ति। नः। शृ॒ण्वन्। ऊ॒तिभि॑रित्यू॒ति-भिः। सी॒द। सा॒दन॑म्॥  
 नमः॑। ते। रु॒द्र। म॒न्यवे॑। उ॒तो इति॑। ते। इ॒षवे॑। नमः॑॥  
 नमः॑। ते। अ॒स्तु। ध॒न्व॑ने। बा॒हुभ्या॑मि॒ति बा॒हु-भ्या॑म्। उ॒त।  
 ते। नमः॑॥ या। ते। इ॒षुः। शि॒वत॑मेति॒ शिव॑-त॒मा। शि॒वम्।  
 ब॒भूव॑। ते। ध॒नुः॥ शि॒वा। श॒रव्या॑। या। त॒व। तया॑।  
 नः। रु॒द्र। मृ॒डय॑॥ या। ते। रु॒द्र। शि॒वा। त॒नूः। अ॒घो॑रा।  
 अ॒पाप॑काशिनीत्य॒पाप॑-का॒शिनी॑॥ तया॑। नः। त॒नुवा॑।  
 श॒न्त॑मयेति॒ शम्-त॑मया॒। गि॒रिश॑न्तेति॒ गिरि॑-श॒न्त॒। अ॒भीति॑।  
 चा॒क॒शीहि॑॥ याम्। इ॒षुम्। गि॒रिश॑न्तेति॒ गिरि॑-श॒न्त॒। ह॒स्ते॑।  
 (१)

बिभ॑र्षि। अस्त॑वे॥ शि॒वाम्। गि॒रि॒त्रेति॑ गिरि॒-त्र॒। ताम्। कुरु॑।  
 मा। हि॒॒सीः। पुरु॑षम्। जग॑त्॥ शि॒वेन॑। वच॑सा। त्वा।

गिरि॑श। अ॒च्छा। व॒दाम॒सि॒॥ यथा॑। नः। सर्व॑म्। इत्। जग॑त्।  
 अ॒य॒क्ष्मम्। सु॒मना॒ इति॑ सु-मनाः॑। अ॒सत्॥ अधी॑ति।  
 अ॒वो॒चत्। अ॒धि॒व॒क्तेत्य॑धि-व॒क्ता। प्र॒थमः॑। दै॒व्यः। भि॒षक्॥  
 अही॑न्। च। सर्वा॑न्। ज॒म्भय॑न्। सर्वाः॑। च। या॒तु॒धा॒न्य॑  
 इति॑ या॒तु॒धा॒न्यः॥ असौ॑। यः। ताम्रः॑। अ॒रुणः॑। उ॒त। ब॒भ्रुः।  
 सु॒म॒ङ्गल॒ इति॑ सु-म॒ङ्गलः॑॥ ये। च। इ॒माम्। रु॒द्राः। अ॒भि॒तः।  
 दि॒क्षु। (२)

श्रि॒ताः। स॒ह॒स्र॒श इति॑ सह॒स्र-शः॑। अ॒वेति॑। ए॒षाम्। हे॒डः।  
 ई॒म॒हे॥ असौ॑। यः। अ॒व॒स॒र्प॒तीत्य॑व-स॒र्प॒ति। नील॑ग्रीव॒ इति॑  
 नील॑-ग्रीवः। वि॒लो॒हित॒ इति॑ वि-लो॒हितः॥ उ॒त। ए॒नम्। गो॒पा  
 इति॑ गो-पाः। अ॒दृ॒श॒न्। अ॒दृ॒श॒न्। उ॒द॒हा॒र्य॑ इत्यु॒द॒हा॒र्यः॥  
 उ॒त। ए॒नम्। वि॒श्वः॑। भू॒तानि॑। सः। दृ॒ष्टः। मृ॒ड॒या॒ति। नः॥  
 नमः॑। अ॒स्तु। नील॑ग्रीवा॒येति॑ नील॑-ग्रीवा॒य। स॒ह॒स्रा॒क्षाय॑ेति॑  
 सह॒स्र-अ॒क्षाय॑। मी॒ढुषे॑॥ अथो॒ इति॑। ये। अ॒स्य॑। स॒त्वा॑नः।  
 अ॒हम्। तेभ्यः॑। अ॒कर॑म्। नमः॑॥ प्रेति॑। मु॒ञ्च। ध॒न्व॑नः। त्वम्।

उभयोः। आर्त्रियोः। ज्याम्॥ याः। च। ते। हस्ते। इषवः।  
(३)

परेति। ताः। भगव इति भग-वः। वप॥ अवतत्येत्यव-तत्य।  
धनुः। त्वम्। सहस्राक्षेति सहस्र-अक्ष। शतेषुध इति शत-  
इषुधे॥ निशीर्येति नि-शीर्य। शल्यानाम्। मुखा। शिवः। नः।  
सुमना इति सु-मनाः। भव॥ विज्यमिति वि-ज्यम्। धनुः।  
कपर्दिनः। विशल्य इति वि-शल्यः। बाणवानिति बाण-वान्।  
उत॥ अनेशन। अस्य। इषवः। आभुः। अस्य। निषङ्गथिः॥  
या। ते। हेतिः। मीदुष्टमेति मीदुः-तम्। हस्ते। बभूव। ते।  
धनुः॥ तया। अस्मान्। विश्वतः। त्वम्। अयक्ष्मया। परीति।  
भुज॥ नमः। ते। अस्तु। आयुधाय। अनाततायेत्यना-तताय।  
धृष्णवे॥ उभाभ्याम्। उत। ते। नमः। बाहुभ्यामिति बाहु-  
भ्याम्। तव। धन्वने॥ परीति। ते। धन्वनः। हेतिः। अस्मान्।  
वृणक्तु। विश्वतः॥ अथो इति। यः। इषुधिरितीषु-धिः। तव।  
आरे। अस्मत्। नीति। धेहि। तम्॥ (४)

नमः। हिरण्यबाहव इति हिरण्य-बाहवे। सेनान्य इति  
 सेना-न्ये। दिशाम्। च। पतये। नमः। नमः। वृक्षेभ्यः।  
 हरिकेशेभ्य इति हरि-केशेभ्यः। पशूनाम्। पतये। नमः।  
 नमः। सस्मिञ्जराय। त्विषीमत इति त्विषी-मते। पृथीनाम्।  
 पतये। नमः। नमः। बभ्रुशाय। विव्याधिन इति वि-व्याधिने।  
 अन्नानाम्। पतये। नमः। नमः। हरिकेशायेति हरि-केशाय।  
 उपवीतिन् इत्युप-वीतिने। पुष्टानाम्। पतये। नमः। नमः।  
 भुवस्य। हेत्यै। जगताम्। पतये। नमः। नमः। रुद्राय।  
 आतताविन् इत्या-तताविने। क्षेत्राणाम्। पतये। नमः।  
 नमः। सूताय। अहन्त्याय। वनानाम्। पतये। नमः। नमः।

(५)

रोहिताय। स्थपतये। वृक्षाणाम्। पतये। नमः। नमः।  
 मन्त्रिणे। वाणिजाय। कक्षाणाम्। पतये। नमः। नमः।  
 भुवन्तये। वारिवस्कृतायेति वारिवः-कृताय। ओषधीनाम्।  
 पतये। नमः। नमः। उच्चैर्घोषायेत्युच्चैः-घोषाय। आक्रन्दयत  
 इत्या-क्रन्दयते। पत्तीनाम्। पतये। नमः। नमः।

कृत्स्नवी॒तायेति॑ कृत्स्न-वी॒ताय॑। धाव॑ते। सत्त्वंनाम्।  
पत॑ये। नमः॥ (६)

नमः॑। सह॑मानाय। नि॒व्या॒धिन् इति॑ नि-व्या॒धिने॑।  
आ॒व्या॒धिनी॑नामित्या॑-व्या॒धिनी॑नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑।  
क॒कु॒भाय॑। नि॒ष॒ङ्गिण॒ इति॑ नि-स॒ङ्गिने॑। स्ते॒नाना॑म्। पत॑ये।  
नमः॑। नमः॑। नि॒ष॒ङ्गिण॒ इति॑ नि-स॒ङ्गिने॑। इ॒षु॒धि॒मत्  
इती॑षु॒धि-मते॑। तस्करा॑णाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। वञ्च॑ते।  
परि॒वञ्च॑त् इति॑ परि-वञ्च॑ते। स्ता॒यूनाम्। पत॑ये। नमः॑।  
नमः॑। नि॒चे॒रव॒ इति॑ नि-चे॒रवे॑। परि॒च॒रायेति॑ परि-च॒राय॑।  
अ॒र॒ण्याना॑म्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। सू॒का॒वि॒भ्य इति॑ सू॒का॒वि॒-  
भ्यः॑। जिघा॑ꣳस॒द्भ्य इति॑ जिघा॑ꣳस॒त्-भ्यः॑। मु॒ष्ण॒ताम्।  
पत॑ये। नमः॑। नमः॑। अ॒सि॒म॒द्भ्य इत्य॑सि॒म॒त्-भ्यः॑। नक्त॑म्।  
च॒र॒द्भ्य इति॑ च॒र॒त्-भ्यः॑। प्र॒कृ॒न्ताना॑मिति॑ प्र-कृ॒न्ताना॑म्।  
पत॑ये। नमः॑। नमः॑। उ॒ष्णी॒षिणे॑। गि॒रि॒च॒रायेति॑ गि॒रि॒च॒राय॑।  
कु॒लु॒श्चाना॑म्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। (७)

इ॒षु॒म॒द्भ्य इती॑षु॒म॒त्-भ्यः॑। ध॒न्वा॒वि॒भ्य इति॑ ध॒न्वा॒वि॒-भ्यः॑।

च। वः। नमः। नमः। आ॒त॒न्वा॒नेभ्य॒ इत्या॑-त॒न्वा॒नेभ्यः॑।  
 प्र॒ति॒द॒धा॒नेभ्य॒ इति॑ प्र॒ति॒-द॒धा॒नेभ्यः॑। च। वः। नमः।  
 नमः। आ॒य॒च्छ॒द्भ्य॒ इत्या॑य॒च्छ॒त्-भ्यः॑। वि॒सृ॒ज॒द्भ्य॒ इति॑  
 वि॒सृ॒ज॒त्-भ्यः॑। च। वः। नमः। नमः। अ॒स्य॒द्भ्य॒ इत्य॑स्य॒त्-  
 भ्यः॑। वि॒ध्य॒द्भ्य॒ इति॑ वि॒ध्य॒त्-भ्यः॑। च। वः। नमः। नमः।  
 आ॒सी॒नेभ्यः॑। श॒या॒नेभ्यः॑। च। वः। नमः। नमः। स्व॒प॒द्भ्य॒  
 इति॑ स्व॒प॒त्-भ्यः॑। जाग्र॑द्भ्य॒ इति॑ जाग्र॑त्-भ्यः॑। च। वः।  
 नमः। नमः। तिष्ठ॑द्भ्य॒ इति॑ तिष्ठ॑त्-भ्यः॑। धाव॑द्भ्य॒ इति॑  
 धाव॑त्-भ्यः॑। च। वः। नमः। नमः। स॒भाभ्यः॑। स॒भाप॑तिभ्य॒  
 इति॑ स॒भाप॑ति-भ्यः॑। च। वः। नमः। नमः। अ॒श्वेभ्यः॑।  
 अ॒श्वप॑तिभ्य॒ इत्य॑श्वपति-भ्यः॑। च। वः। नमः॥ (८)

नमः। आ॒व्या॒धिनी॑भ्य॒ इत्या॑-व्या॒धिनी॑भ्यः॑। वि॒वि॒ध्य॑न्तीभ्य॒  
 इति॑ वि॒-वि॒ध्य॑न्तीभ्यः॑। च। वः। नमः। नमः। उ॒ग॒णाभ्यः॑।  
 तृ॒ह॒तीभ्यः॑। च। वः। नमः। नमः। गृ॒त्सेभ्यः॑। गृ॒त्सप॑तिभ्य॒  
 इति॑ गृ॒त्सप॑ति-भ्यः॑। च। वः। नमः। नमः। ब्रा॒तेभ्यः॑।  
 ब्रा॒तप॑तिभ्य॒ इति॑ ब्रा॒तप॑ति-भ्यः॑। च। वः। नमः। नमः।

गुणेभ्यः। गुणपतिभ्य इति गुणपति-भ्यः। च। वः। नमः।  
 नमः। विरूपेभ्यः। विश्वरूपेभ्य इति विश्व-रूपेभ्यः। च।  
 वः। नमः। नमः। महद्भ्य इति महत्-भ्यः। क्षुल्लकेभ्यः। च।  
 वः। नमः। नमः। रथिभ्य इति रथि-भ्यः। अरथेभ्यः। च।  
 वः। नमः। नमः। रथेभ्यः। (९)

रथपतिभ्य इति रथपति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः।  
 सेनाभ्यः। सेनानिभ्य इति सेनानि-भ्यः। च। वः। नमः।  
 नमः। क्षत्तृभ्य इति क्षतृ-भ्यः। सङ्ग्रहीतृभ्य इति सङ्ग्रहीतृ-  
 भ्यः। च। वः। नमः। नमः। तक्षभ्य इति तक्ष-भ्यः।  
 रथकारेभ्य इति रथ-कारेभ्यः। च। वः। नमः। नमः।  
 कुलालेभ्यः। कमरिभ्यः। च। वः। नमः। नमः। पुञ्जिष्टेभ्यः।  
 निषादेभ्यः। च। वः। नमः। नमः। इषुकृद्भ्य इतीषुकृत्-भ्यः।  
 धन्वकृद्भ्य इति धन्वकृत्-भ्यः। च। वः। नमः। नमः।  
 मृगयुभ्य इति मृगयु-भ्यः। श्वनिभ्य इति श्वनि-भ्यः। च।  
 वः। नमः। नमः। श्वभ्य इति श्व-भ्यः। श्वपतिभ्य इति  
 श्वपति-भ्यः। च। वः। नमः॥ (१०)

नमः। भ॒वाय॑। च॒। रु॒द्राय॑। च॒। नमः। श॒र्वाय॑। च॒। प॒शुप॑त॒य॒  
 इति॑ प॒शु-प॑त॒ये। च॒। नमः। नील॑ग्रीवा॒येति॑ नील॑-ग्रीवा॒य॒।  
 च॒। शि॒ति॒क॒ण्ठा॒येति॑ शि॒ति-क॑ण्ठा॒य॒। च॒। नमः। क॒प॒र्दि॒ने॑।  
 च॒। व्यु॑प्त॒केशा॒येति॑ व्यु॑प्त-केशा॒य॒। च॒। नमः। स॒ह॒स्रा॒क्षा॒येति॑  
 सह॑स्र-अ॒क्षा॒य॒। च॒। श॒त॒ध॒न्व॒न॒ इति॑ श॒त-ध॑न्व॒ने॒। च॒। नमः।  
 गि॒रि॒शा॒य॒। च॒। शि॒पि॒वि॒ष्टा॒येति॑ शि॒पि-वि॑ष्टा॒य॒। च॒। नमः।  
 मी॒ढु॒ष्ट॒मा॒येति॑ मी॒ढुः-त॒मा॒य॒। च॒। इषु॑म॒त॒ इती॑षु-म॒ते॒। च॒।  
 नमः। ह॒स्वा॒य॒। च॒। वा॒म॒ना॒य॒। च॒। नमः। बृ॒ह॒ते॒। च॒।  
 वर्षा॑य॒से॒। च॒। नमः। वृ॒द्धा॒य॒। च॒। सं॒वृ॒ध्व॒न॒ इति॑ स॒म्-वृ॑ध्व॒ने॒।  
 च॒। (११)

नमः। अ॒ग्रि॒या॒य॒। च॒। प्र॒थ॒मा॒य॒। च॒। नमः। आ॒श॒वै॑। च॒।  
 अ॒जि॒रा॒य॒। च॒। नमः। शी॒घ्रि॒या॒य॒। च॒। शी॒भ्या॒य॒। च॒।  
 नमः। ऊ॒र्म्या॒य॒। च॒। अ॒व॒स्व॒न्या॒येत्य॑व-स्व॒न्या॒य॒। च॒। नमः।  
 स्रो॒त॒स्या॒य॒। च॒। द्वी॒प्या॒य॒। च॒॥ (१२)

नमः। ज्ये॒ष्ठा॒य॒। च॒। क॒नि॒ष्ठा॒य॒। च॒। नमः। पू॒र्व॒जा॒येति॑ पू॒र्व॒-  
 जा॒य॒। च॒। अ॒प॒र॒जा॒येत्य॑प॒र-जा॒य॒। च॒। नमः। म॒ध्य॒मा॒य॒।



च। अ॒प॒ग॒ल्भा॒येत्य॑प॒ग॒ल्भा॒य। च। नमः॑। ज॒घ्न्या॑य।  
 च। बु॒ध्नि॑याय। च। नमः॑। सो॒भ्या॑य। च। प्र॒ति॒स॒र्या॑येति  
 प्र॒ति॒स॒र्या॑य। च। नमः॑। या॒म्या॑य। च। क्षे॒म्या॑य। च।  
 नमः॑। उ॒र्व॒र्या॑य। च। ख॒ल्या॑य। च। नमः॑। श्लो॒क्या॑य।  
 च। अ॒व॒सा॒न्या॑येत्य॑व॒सा॒न्या॑य। च। नमः॑। व॒न्या॑य। च।  
 क॒क्ष्या॑य। च। नमः॑। श्र॒वा॒य। च। प्र॒ति॒श्र॒वा॒येति॑ प्र॒ति॒श्र॒वा॒य।  
 च। (१३)

नमः॑। आ॒शु॒षे॒णा॒येत्या॑शु॒से॒ना॒य। च। आ॒शु॒र॒था॒येत्या॑शु॒र॒था॒य। च। नमः॑। शू॒रा॒य। च। अ॒व॒भि॒न्द॒त इत्य॑व॒भि॒न्द॒ते।  
 च। नमः॑। व॒र्मि॒णे॑। च। व॒रू॒थि॒ने॑। च। नमः॑। बि॒ल्मि॒ने॑। च।  
 क॒व॒चि॒ने॑। च। नमः॑। श्रु॒ता॒य। च। श्रु॒त॒से॒ना॒येति॑ श्रु॒त॒से॒ना॒य।  
 च॥ (१४)

नमः॑। दु॒न्दु॒भ्या॑य। च। आ॒ह॒न॒न्या॑येत्या॑ह॒न॒न्या॑य। च। नमः॑।  
 धृ॒ष्ण॒वै॑। च। प्र॒मृ॒शा॒येति॑ प्र॒मृ॒शा॒य। च। नमः॑। दू॒ता॒य। च।  
 प्र॒हि॒ता॒येति॑ प्र॒हि॒ता॒य। च। नमः॑। नि॒ष॒ङ्गि॒ण इति॑ नि॒स॒ङ्गि॒ने॑।

च। इ॒षु॒धि॒मत् इती॑षु॒धि॒-मते॑। च। नमः॑। ती॒क्ष्णेष॑व॒ इति॑  
 ती॒क्ष्ण-इ॒षवे॑। च। आयु॑धिने॑। च। नमः॑। स्वा॒यु॒धायेति॑ सु-  
 आ॒यु॒धाय॑। च। सु॒धन्व॑न॒ इति॑ सु॒धन्व॑ने। च। नमः॑। सु॒त्याय॑।  
 च। प॒थ्याय॑। च। नमः॑। का॒ट्याय॑। च। नी॒प्याय॑। च। नमः॑।  
 सू॒द्याय॑। च। स॒र॒स्याय॑। च। नमः॑। ना॒द्याय॑। च। वै॒श॒न्ताय॑।  
 च। (१५)

नमः॑। कू॒प्याय॑। च। अ॒व॒ट्याय॑। च। नमः॑। व॒र्ष्याय॑। च।  
 अ॒व॒र्ष्याय॑। च। नमः॑। मे॒घ्याय॑। च। वि॒द्युत्या॑येति॑ वि-  
 द्यु॒त्याय॑। च। नमः॑। ई॒ध्रिया॑य। च। आ॒त॒प्यायेत्या॑-त॒प्याय॑।  
 च। नमः॑। वा॒त्याय॑। च। रे॒ष्मियाय॑। च। नमः॑। वा॒स्त॒व्याय॑।  
 च। वा॒स्तु॒पायेति॑ वा॒स्तु-पाय॑। च॥ (१६)

नमः॑। सो॒माय॑। च। रु॒द्राय॑। च। नमः॑। ता॒म्राय॑। च।  
 अ॒रु॒णाय॑। च। नमः॑। श॒ङ्गाय॑। च। प॒शुप॑तय॒ इति॑  
 प॒शु-प॑तये। च। नमः॑। उ॒ग्राय॑। च। भी॒माय॑। च। नमः॑।  
 अ॒ग्रेव॑धायेत्य॒ग्रे-व॑धाय॑। च। दू॒रेव॑धायेति॑ दू॒रे-व॑धाय॑। च।  
 नमः॑। ह॒त्रे। च। ह॒नीय॑से। च। नमः॑। वृ॒क्षेभ्यः॑। ह॒रि॑केशेभ्य॒

इति॒ हरि॑-के॒शेभ्यः॑। नमः॑। ता॒राय॑। नमः॑। श॒म्भव॑ इति॒  
 शम्-भवे॑। च। म॒योभव॑ इति॒ मयः-भवे॑। च। नमः॑।  
 श॒ङ्करा॑येति॒ शम्-करा॑य। च। म॒यस्क॑रायेति॒ मयः-करा॑य।  
 च। नमः॑। शि॒वाय॑। च। शि॒वत॑रायेति॒ शिव-त॑राय। च।  
 (१७)

नमः॑। ती॒र्थाय॑। च। कू॒ल्याय॑। च। नमः॑। पा॒र्याय॑।  
 च। अ॒वा॒र्याय॑। च। नमः॑। प्र॒तर॑णायेति॒ प्र-तर॑णाय। च।  
 उ॒त्तर॑णायेत्यु॒त्-तर॑णाय। च। नमः॑। आ॒ता॒र्याये॑त्या॒-ता॒र्याय॑।  
 च। आ॒ला॒द्याये॑त्या॒-ला॒द्याय॑। च। नमः॑। श॒ष्याय॑। च।  
 फे॒न्याय॑। च। नमः॑। सि॒क॒त्याय॑। च। प्र॒वा॒ह्याये॑ति॒  
 प्र-वा॒ह्याय॑। च॥ (१८)

नमः॑। इ॒रि॒ण्याय॑। च। प्र॒प॒थ्याये॑ति॒ प्र-प॒थ्याय॑। च। नमः॑।  
 कि॒॒शिला॑य। च। क्ष॒य॒णाय॑। च। नमः॑। क॒पर्दि॑ने। च।  
 पु॒ल॒स्तये॑। च। नमः॑। गो॒ष्ठ्याये॑ति॒ गो-स्थ्या॑य। च। गृ॒ह्याय॑।  
 च। नमः॑। त॒ल्प्याय॑। च। गे॒ह्याय॑। च। नमः॑। का॒ट्याय॑।  
 च। ग॒ह्वरे॑ष्टायेति॒ गह्वरे-स्था॑य। च। नमः॑। हृ॒द॒य्याय॑। च।

नि॒वे॒ष्या॒येति॑ नि॒वे॒ष्या॒य। च॒। नमः॑। पा॒५स॒व्या॒य। च॒।  
 र॒ज॒स्या॒य। च॒। नमः॑। शु॒ष्क्या॒य। च॒। ह॒रि॒त्या॒य। च॒। नमः॑।  
 लो॒प्या॒य। च॒। उ॒ल॒प्या॒य। च॒। (१९)

नमः॑। ऊ॒र्व्या॒य। च॒। सू॒र्म्या॒य। च॒। नमः॑। पु॒र्ण्या॒य। च॒।  
 पु॒र्ण॒श॒द्या॒येति॑ पु॒र्ण॒श॒द्या॒य। च॒। नमः॑। अ॒प॒गु॒र॒मा॒णा॒येत्य॑प॒-  
 गु॒र॒मा॒णाय॑। च॒। अ॒भि॒घ्न॒त इत्य॑भि॒घ्न॒ते। च॒। नमः॑।  
 आ॒खि॒व॒द॒त इत्या॑खि॒द॒ते। च॒। प्र॒खि॒व॒द॒त इति॑ प्र॒खि॒द॒ते।  
 च॒। नमः॑। वः॒। कि॒रि॒के॒भ्यः॑। दे॒वा॒ना॒म्। हृ॒द॒ये॒भ्यः॑। नमः॑।  
 वि॒क्षी॒ण॒के॒भ्य इति॑ वि॒क्षी॒ण॒के॒भ्यः॑। नमः॑। वि॒चि॒न्व॒त्के॒भ्य  
 इति॑ वि॒चि॒न्व॒त्के॒भ्यः॑। नमः॑। आ॒नि॒र॒ह॒ते॒भ्य इत्या॑नि॒-  
 ह॒ते॒भ्यः॑। नमः॑। आ॒मी॒व॒त्के॒भ्य इत्या॑मी॒व॒त्के॒भ्यः॑॥ (२०)

द्रा॒पे॑। अ॒न्ध॑सः। प॒ते। द॒रि॑द्रत्। नि॒ल॑लो॒हि॒तेति॑ नी॒ल॑-  
 लो॒हि॒त॥ ए॒षाम्। पु॒रु॒षा॒णाम्। ए॒षाम्। प॒शू॒नाम्। मा॒। भेः॑।  
 मा॒। अ॒रः॑। मो॒ इति॑। ए॒षाम्। कि॒म्। च॒न। आ॒म॒म॒त्॥  
 या॒। ते॒। रु॒द्र। शि॒वा। त॒नूः॑। शि॒वा। वि॒श्वा॒ह॒भे॒ष॒जीति॑  
 वि॒श्वा॒ह॒भे॒ष॒जी॥ शि॒वा। रु॒द्र॒स्य॑। भे॒ष॒जी। तया॑। नः॑। मृ॒ड॒।

जीवसे॥ इमाम् रुद्राय तवसे॥ कपदिने॥ क्षयद्वीरायेति  
 क्षयत्-वीराय प्रेति॥ भुरामहे॥ मतिम्॥ यथा॥ नः॥ शम्॥  
 असत्॥ द्विपद इति द्वि-पदे॥ चतुष्पद इति चतुः-पदे॥  
 विश्वम्॥ पुष्टम्॥ ग्रामे॥ अस्मिन्॥ (२१)

अनातुरमित्यना-तुरम्॥ मृडा॥ नः॥ रुद्र॥ उता॥ नः॥ मयः॥  
 कृधि॥ क्षयद्वीरायेति क्षयत्-वीराय नमसा॥ विधेम॥ ते॥  
 यत्॥ शम्॥ च॥ योः॥ च॥ मनुः॥ आयज इत्या-यजे॥ पिता॥  
 तत्॥ अश्याम्॥ तव॥ रुद्र॥ प्रणीताविति प्र-नीतौ॥ मा॥ नः॥  
 महान्तम्॥ उता॥ मा॥ नः॥ अर्भकम्॥ मा॥ नः॥ उक्षन्तम्॥  
 उता॥ मा॥ नः॥ उक्षितम्॥ मा॥ नः॥ वधीः॥ पितरम्॥ मा॥  
 उता॥ मातरम्॥ प्रियाः॥ मा॥ नः॥ तनुवः॥ (२२)

रुद्र॥ रीरिषः॥ मा॥ नः॥ तोके॥ तनये॥ मा॥ नः॥ आयुषि॥  
 मा॥ नः॥ गोषु॥ मा॥ नः॥ अश्वेषु॥ रीरिषः॥ वीरान्॥ मा॥  
 नः॥ रुद्र॥ भामितः॥ वधीः॥ हविष्मन्तः॥ नमसा॥ विधेम॥  
 ते॥ आरात्॥ ते॥ गोघ्न इति गो-घ्ने॥ उता॥ पूरुषघ्न इति  
 पूरुष-घ्ने॥ क्षयद्वीरायेति क्षयत्-वीराय सुम्नम्॥ अस्मे इति॥

ते। अ॒स्तु॥ रक्षा॑। च। नः। अधी॑ति। च। दे॒व। ब्रू॒हि। अधा॑।  
 च। नः। शर्म॑। य॒च्छ। द्वि॒बर्हा॑ इति॑ द्वि॒-बर्हाः॑॥ स्तु॒हि। (२३)  
 श्रु॒तम्। ग॒र्त॒सद॒मिति॑ ग॒र्त-सद॑म्। युवा॑नम्। मृ॒गम्। न।  
 भी॒मम्। उ॒प॒हृ॒तम्। उ॒ग्रम्॥ मृ॒डा। ज॒रि॒त्रे। रु॒द्र। स्तवा॑नः।  
 अ॒न्यम्। ते। अ॒स्मत्। नी॒ति। व॒प॒न्तु। सेनाः॑॥ परी॑ति।  
 नः। रु॒द्रस्य॑। हे॒तिः। वृ॒ण॒क्तु। परी॑ति। त्वे॒षस्य॑। दु॒र्म॒तिरिति॑  
 दुः-म॒तिः। अ॒घा॒यो॒रित्य॑घा-योः॥ अवे॑ति। स्थि॒रा। म॒घव॑ञ्च  
 इति॑ म॒घव॑त्-भ्यः। त॒नुष्व॑। मी॒ढ्वः। तो॒काय॑। त॒न॒याय॑।  
 मृ॒डय॑॥ मी॒ढुष्ट॑मेति॒ मी॒ढुः-त॒म्। शि॒व॒त॒मेति॑ शि॒व-त॒म्।  
 शि॒वः। नः। सु॒म॒ना इति॑ सु-म॒नाः। भ॒व॥ प॒र॒मे। वृ॒क्षे।  
 आ॒यु॒धम्। नि॒धा॒येति॑ नि-धा॒य। कृ॒त्ति॒म्। वसा॑नः। ए॒ति।  
 च॒र। पिना॑कम्। (२४)

बिभ्र॑त्। ए॒ति। ग॒हि॥ वि॒कि॑रि॒देति॑ वि-कि॑रि॒द। वि॒लो॑हि॒तेति॑  
 वि-लो॑हि॒त। नमः॑। ते। अ॒स्तु। भ॒ग॒व इति॑ भ॒ग-वः॑॥ याः। ते।  
 स॒हस्र॑म्। हे॒तयः॑। अ॒न्यम्। अ॒स्मत्। नी॒ति। व॒प॒न्तु। ताः॥  
 स॒हस्रा॑णि। स॒हस्र॑धेति॑ स॒हस्र॑-धा। बा॒हु॒वोः। त॒व। हे॒तयः॑॥

तासां॑म्। ईशा॑नः। भ॒ग॒व॒ इति॑ भग-वः। प॒रा॒चीना॑। मु॒खा॑।  
कृ॒धि॒॥ (२५)

स॒ह॒स्रा॑णि। स॒ह॒स्र॒श॒ इति॑ सहस्र-शः। ये। रु॒द्राः॑। अधी॑ति।  
भू॒म्या॑म्॥ तेषा॑म्। स॒ह॒स्र॒यो॒ज॒न॒ इति॑ सहस्र-यो॒ज॒ने। अवे॑ति।  
ध॒न्वा॑नि। त॒न्म॒सि॒॥ अ॒स्मिन्। म॒ह॒ति। अ॒र्ण॒वे। अ॒न्तरि॑क्षे।  
भ॒वाः॑। अधि॑॥ नील॑ग्रीवा॒ इति॑ नील॑-ग्रीवाः। शि॒ति॒क॒ण्ठा॒  
इति॑ शि॒ति॒-क॒ण्ठाः॑। श॒र्वाः॑। अ॒धः। क्ष॒मा॒च॒राः॑॥ नील॑ग्रीवा॒  
इति॑ नील॑-ग्रीवाः। शि॒ति॒क॒ण्ठा॒ इति॑ शि॒ति॒-क॒ण्ठाः॑। दि॒वम्॑।  
रु॒द्राः॑। उ॒प॒श्रि॒ता॒ इत्यु॒प॒-श्रि॒ताः॑॥ ये। वृ॒क्षे॒षु। स॒स्मि॒ञ्ज॒राः॑।  
नील॑ग्रीवा॒ इति॑ नील॑-ग्रीवाः। वि॒लो॒हि॒ता॒ इति॑ वि॒-लो॒हि॒ताः॑॥  
ये। भू॒ता॒ना॑म्। अधि॑प॒त॒य॒ इत्यधि॑-प॒त॒यः॑। वि॒शि॒खा॒स॒ इति॑  
वि॒-शि॒खा॒सः॑। क॒प॒र्दि॒नः॑॥ ये। अ॒न्ने॒षु। वि॒वि॒ध्य॒न्ती॑ति वि॒-  
वि॒ध्य॒न्ति॑। पा॒त्रे॒षु। पि॒ब॒न्तः॑। ज॒नान्॑॥ ये। प॒थाम्। प॒थि॒रक्ष॑य॒  
इति॑ प॒थि॒-रक्ष॑यः। ऐ॒ल॒बृ॒दाः॑। य॒व्यु॒धः॑॥ ये। ती॒र्था॑नि। (२६)

प्र॒च॒र॒न्ती॑ति प्र॒-च॒र॒न्ति॑। सृ॒का॒व॒न्त॒ इति॑ सृ॒का॒-व॒न्तः॑।  
नि॒ष॒ङ्गि॒ण॒ इति॑ नि॒-स॒ङ्गि॒नः॑॥ ये। ए॒ता॒व॒न्तः॑। च॒। भू॒या॑ंसः।

च॒। दि॒शः॑। रु॒द्राः॑। वि॒त॒स्थि॒र॒ इति॑ वि-त॒स्थि॒रे॑॥ तेषा॑म्।  
 स॒ह॒स्र॒यो॒ज॒न॒ इति॑ स॒ह॒स्र॒-यो॒ज॒ने॑। अवे॑ति। ध॒न्वा॑नि।  
 त॒न्म॒सि॒॥ नमः॑। रु॒द्रेभ्यः॑। ये। पृ॒थि॒व्याम्। ये। अ॒न्तरि॑क्षे।  
 ये। दि॒वि। येषा॑म्। अ॒न्नम्। वा॒तः। व॒रु॒षम्। इष॑वः। तेभ्यः॑।  
 द॒श। प्रा॒चीः॑। द॒श। द॒क्षि॒णा। द॒श। प्र॒ती॒चीः॑। द॒श। उ॒दी॒चीः॑।  
 द॒श। ऊ॒र्ध्वाः॑। तेभ्यः॑। नमः॑। ते। नः॑। मृ॒ड॒य॒न्तु। ते। यम्।  
 द्वि॒ष्मः॑। यः। च॒। नः॑। द्वेष्टि॑। तम्। वः॑। ज॒म्भे॑। द॒धामि॑॥  
 (२७)

त्र्य॑म्ब॒क॒मि॒ति॒ त्रि॒-अ॒म्ब॒क॒म्। य॒जा॒म॒हे। सु॒ग॒न्धि॒मि॒ति॒ सु॒-  
 ग॒न्धि॒म्। पु॒ष्टि॒व॒र्ध॒न॒मि॒ति॒ पु॒ष्टि॒-व॒र्ध॒न॒म्॥ उ॒र्वा॒रु॒क॒म्। इ॒व।  
 ब॒न्ध॒ना॒त्। मृ॒त्योः॑। मु॒क्षी॒य॒। मा। अ॒मृ॒ता॑त्॥ यो। रु॒द्रः॑।  
 अ॒ग्नौ। यः। अ॒प्स्वि॒त्य॒प्-सु। यः। ओष॑धीषु। यः। रु॒द्रः॑।  
 वि॒श्वो॑। भुव॑ना। आ॒वि॒वेशे॑त्या॒-वि॒वेश॑। तस्मै॑। रु॒द्राय॑। नमः॑।  
 अ॒स्तु॑॥

॥ ॐ शान्तिः॒ शान्तिः॒ शान्तिः॑॥



---

GitHub: <http://stotrasamhita.github.io> | <http://github.com/stotrasamhita>

Credits: <http://stotrasamhita.github.io/about/>